बढ़ेगा कद फाइटर जेट के उपकरण बनाने की जिम्मेदारी जल्द मिलने की जताई जा रही उम्मीद

सुखोई की नाक बनाकर अपना कद बढ़ाएगी एचएएल

नीरज 'अम्बुज'

लखनऊ। भारतीय वायुसेना की ताकत फाइटर जेट सुखोई (सू-30) के उपकरण लखनऊ स्थित हिंदुस्तान एरोनॉटिकल लिमिटेड (एचएएल) में बनाने की तैयारी चल रही है। पहले चरण में इनकी नाक का हिस्सा यहां बनाया जा सकता है।

इसके बाद इनमें रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित रडार लगाया जाएगा। इसे लेकर रक्षा मंत्रालय मंथन कर रहा है। यह जिम्मेदारी मिलने पर एचएएल का कद बढ़ेगा।

सुखोई भारतीय वायुसेना में चौथी जनरेशन का लड़ाकू विमान है। इन विमानों को रूस से खरीदकर वर्ष 2002 में वायुसेना की फ्लीट में शामिल किया गया। 30 हजार किमी उड़ान की क्षमता रखने वाले इन विमानों को अपग्रेड किया जाएगा।

इसके लिए दोनों देशों के बीच बातचीत हो चुकी है। जल्द ही इसमें डीआरडीओ की ओर से विकसित उत्तम रडार लगाया जाएगा। इस अपग्रेडेशन से यह लड़ाकू विमान 4.5 जेनरेशन का हो जाएगा। भारतीय वायुसेना के बेड़े में 259 सुखोई हैं, जिनकी स्क्वैड्रन महत्वपूर्ण जगहों पर तैनात की गई हैं।

पहले चरण में इनमें से 84 को अपग्रेड किया जाएगा। इसमें एचएएल लखनऊ को बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

■ टाइटेनियम से बनी होती है नाक

सुखोई का अगला हिस्सा कोनिकल (शंक्वाकार) होता है, जिसे नोज बोलते हैं। यह टाइटेनियम धातु की बनी होती है। सूत्रों के मुताबिक इसे बनाने की जिम्मेदारी एचएएल लखनऊ को मिल सकती है। जल्द इसकी अनुमति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, अफसर अभी इस पर कुछ बोलने से बच रहे हैं।

■ बीकेटी में तैनात हो सकते हैं सुखोई

बख्शी का तालाब वायुसेना स्टेशन को अपग्रेड किया जा रहा है। यहां रनवे की लंबाई बढ़ाने से लेकर नए हैंगर बनाने, रडार इंस्टॉलेशन आदि के काम कराए जा रहे हैं। इस कारण स्टेशन बंद है। यहां तैनात रही मिग विमानों की स्क्वैड्रन को शिफ्ट किया जा चुका है। सूत्र बताते हैं कि बीकेटी में सुखोई की स्क्वैड्रन तैनात की जा सकती है। रणनीतिक महत्व को देखते हुए ऐसा किया जाएगा।

■ ब्रम्होस भी लखनऊ में बनाई जाएगी

एचएएल लखनऊ में वायुसेना के हेलीकॉप्टरों के लिए एक्सेसरीज तैयार होती थी। अब सुखोई की एक्सेसरीज का जिम्मा मिलने पर इसका कद बढ़ जाएगा। दूसरी ओर लखनऊ में ब्रम्होस मिसाइलों के नेवी वर्जन को भी बनाने पर काम चल रहा है। इसके लिए यूनिट बनाई गई है।